

प्रेषक,

गंजुल कुमार जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
देहरादून।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक 03 मई, 2008

विषय:-जनपद देहरादून स्थान केदारपुरम में राजस्व विभाग के निर्माणाधीन आवासीय भवनों के निर्माण हेतु पुनर्विनियोग किये जाने के सम्बन्ध में।

गहोदय,

उपरोक्त विषयक शारानादेश संख्या-730/18(1)/2005 दिनांक 27 मार्च, 2006 एवं शारानादेश दिनांक 14 अगस्त, 2006 एवं शारानादेश दिनांक 8-5-2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि कलैक्ट्रेट देहरादून के कर्मचारियों के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु औचित्यपूर्ण पाये गये आगणन रु० 452.00 लाख के सामेक्ष अत्र तक रु० 218.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। अवशेष धनराशि 236.00 लाख के विपरीत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये अनुदान संख्या-6 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-051-निर्माण-07-कलैक्ट्रेट भवनों का निर्माण के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत लेखाशीर्षक 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-051-निर्माण-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्णयित योजनाएँ-0101-महत्वासी भौकियों का निर्माण (50 प्रतिशत केन्द्रांश)-24 गृह निर्माण कार्य के अन्तर्गत प्राकृतिक धनराशि की उपलब्ध बचती से कुल 150.00 लाख की धनराशि के व्ययवर्तन एवं व्यय करने की श्री राज्यपाल गहोदय सार्ध रवीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- उपरोक्त धनराशि व्यय करते समय गितव्ययता का ध्यान रखा जायेगा तथा बजट गैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूलर, टेण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवं शासन के अन्य तद्विषयक आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा, जिसके लिये रवीकृत किया जा रहा है।
- 3- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी का होगा।
- 4- निर्माण कार्यों की रवीकृत लागत एवं पूर्ण लक्षित समय से पूर्ण किया जाय तथा इस हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय रूप से प्रभावी अनुश्रवण व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।
- 5- रवीकृत धनराशि जिलाधिकारी द्वारा आहरित करके शीघ्र निर्माण इकाई का उपलब्ध करायी जायेगी। रवीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कृत कार्य की वित्तीय

-(2)



एच गीतिर प्रगति का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय की अनुमान संख्या-6 लेखाशीर्षक-4.59-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-00-जान्य भवन-051-निर्माण-07-कलैक्ट्रेट भवनों का निर्माण-24-ग्रहण निर्माण कार्य के नामे खाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1410/XXVII(5)/2008 दिनांक 28 फरवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(मंजुल कुमार जोशी)
अपर सचिव।

संख्या एवं तदुपदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- कौषाधिकारी, देहरादून।
- 4- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 5- अपर सचिव, वित्त वजेट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड, सचिवालय।
- 9- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- अभिशारी अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(रान्जित सिंह)
अनुसचिव।